



संपादकीय

झमरान फौजी गिरफ्त में

पाकिस्तान

में पूर्व प्रधानमंत्री झमरान खान के साथ जो सलुक किया गया है, वह पाकिस्तान में ही हो सकता है। यह बाकई शर्मनाक और कानून के राज पर कलंग है। झमरान अदालत में मौजूद थे कि खिड़कियों के शीशे तोड़ कर, पाकिस्तान को मारपीट कर एकतरफ कर दिया गया। वे जख्मी भी हुए। रेंजस मुलक के पूर्व प्रधानमंत्री को घोसिटे हुए, कॉलर से पकड़े, धक्कियाएं हवाएं बाहर ले गए, और अदालत परिसर में ही गिरफ्तार किया गया। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी थी- 'अदालत में जो कुछ हुआ है, वह माफी के लायक नहीं है। वह कानून का माज़क है। मैं इसकी तह तक जांगा।' मुख्य न्यायाधीश ने हुक्मात के गृह सचिव और राष्ट्रीय जवाबदी व्यूरो (एनडी) के महानिदेशक को अदालत में तलब किया, लेकिन वे पेश नहीं हुए। अब न्यायाधीश क्या कर सकते हैं? पाकिस्तान में ही न्यायालिका की ऐसी नाफरमानी हो सकती है। बहरहाल झमरान के गृह कानूनी गिरफ्तारी की प्रतिक्रिया में पाकिस्तानी अवाम का एक तबका उबल पड़ा है।

रेजर्स मुलक के पूर्व प्रधानमंत्री को घरीटूरु, कॉलर से पकड़े, धक्कियाएं हुए बाहर ले गए और अदालत परिसर में ही गिरफ्तार किया गया। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी थी- 'अदालत में जो कुछ हुआ है, वह माफी के लायक नहीं है। यह कानून का माज़क है। मैं इसकी तह तक जांगा।' मुख्य न्यायाधीश ने हुक्मात के गृह सचिव और राष्ट्रीय जवाबदी व्यूरो (एनडी) के महानिदेशक को अदालत में तलब किया, लेकिन वे पेश नहीं हुए। अब न्यायाधीश क्या कर सकते हैं?

पाकिस्तान में ही न्यायालिका की ऐसी नाफरमानी हो सकती है। बहरहाल झमरान की ऐसी नाफरमानी गिरफ्तारी की प्रतिक्रिया में पाकिस्तानी अवाम का एक तबका उबल पड़ा है। सड़कों पर आगजनी, तोड़फोड़ और सेना के प्रतिष्ठानों की ऐसी तह तक जांगा। मुख्य न्यायाधीश ने हुक्मात के गृह सचिव और राष्ट्रीय जवाबदी व्यूरो (एनडी) के महानिदेशक को अदालत में तलब किया, लेकिन वे पेश नहीं हुए। अब न्यायाधीश क्या कर सकते हैं?

पाकिस्तान में ही न्यायालिका की ऐसी नाफरमानी हो सकती है। बहरहाल झमरान की ऐसी नाफरमानी गिरफ्तारी की प्रतिक्रिया में पाकिस्तानी अवाम का एक तबका उबल पड़ा है। सड़कों पर आगजनी, तोड़फोड़ और सेना के प्रतिष्ठानों की ऐसी तह तक जांगा। मुख्य न्यायाधीश ने हुक्मात के गृह सचिव और राष्ट्रीय जवाबदी व्यूरो (एनडी) के महानिदेशक को अदालत में तलब किया, लेकिन वे पेश नहीं हुए। अब न्यायाधीश क्या कर सकते हैं?

</div



चलते चलते एक नज़र कैरियर कॉउसेलिंग का आयोजन

रांची (प्रगत मंत्र संवाददाता) : जौलान आगार ड्ग्रेन इनिशिएटिव (गाही) ने जौलान उत्तर एथेनिक के सद्विषय से ऐसे छात्रों छात्राओं के लिए जिज्ञासु हाल ही में दर्शनी व बाहरी कक्ष पूरी की है, एक विद्युत कैरियर कॉउसेलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया। लगभग 60 छात्रों ने दिसंबर लिया था जो की शुरुआत इनियाज अवधारणा द्वारा सुरक्षा के पारियां पाए के साथ हुई, जिसमें उड़ानों गतापिता के प्रति सम्मान व हमारी जिज्ञासारों को बोला। कार्यक्रम के पहले वाता के तौर पर सैद्धांत इवार हसन 10 ऐप्रिल 2021 कक्षा के बाहर छात्रों के लिए एक विभिन्न कैरियर विकल्पों पर वर्च की। निश्चित अनियंत्रित, के रूप में गाही के सायोजक इवार अवधारणा के साथ प्रेषणादायक बाते करते हुए कहा कि समर्पण और कहीं मैनेट के साथ अपने कैरियर की आकाशाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों ने मातृ दिवस पर बनायी पैटिंग

रांची (प्रगत मंत्र संवाददाता) : आर्मी परिवक्तव्य स्कूल रांची छात्र छात्राओं ने मातृ दिवस के उत्तरायण पर अपनी नावाजाओं को प्रकट करते हुए विभिन्न प्रकार के आर्ट और प्रॉजेक्ट से आपनी नावाजाओं के लिए दिखा दिया। इस कार्यक्रम का नाम जिज्ञासा रेक्टिंग था, जिसमें उड़ानों गतापिता के प्रति छोटे थापा जौलान अपने कला में दर्शनी। इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कला विकासी को बाहर करते हुए कहा गया। प्राप्त अवधारणा कुमार सिंह ने प्रशंसा के शब्द बोले और मां के प्रति छोटे बचाए स्ट्रेनों की अपील की।

अस्पताल कर्मियों के बच्चों के लिए चैरिटी इवेंट

पार्टी का आयोजन

रांची । प्रत्येक वर्ष की नावि इस वर्ष भी 13 मई की शाम को अस्पताल कर्मियों के बच्चों के लिए चैरिटी इवेंट पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी का आयोजन अस्पताल परिषद में ही किया गया था। चैरिटी इवेंट में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खेल तथा नौकोंयों के कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही बच्चों को उड़ाने के लिए इवारनुसार उपहार भी दी गई। सेनेटोरी की इनी शेषांग साथ ही इस प्रतियोगिता में शामिल होकर अपनी नावाजाओं के प्रति छोटे थापा के दर्शनी। इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कला विकासी को बाहर करते हुए कहा गया। प्राप्त अवधारणा कुमार सिंह ने प्रशंसा के शब्द बोले और मां के प्रति छोटे बचाए स्ट्रेनों की अपील की।

सुदेश महतो ने डॉक्टरेट करना उत्तम के निधन पर जताया थोक

रांची : झारखंड के पूर्व उपराज्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार ने प्रश्नावाहिक डॉ. रमेश उत्तम के निधन पर थोक व्यक्त किया है। महतो ने कहा कि डॉ. कर्मा उत्तम आपने आप में एक संरक्षणीय था। उन्होंने कहा कि कर्मा उत्तम आयोजी समाज के जलान तथा झारखंडी सभ्यता, संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर द्वितीय प्रसिद्धि रखते हैं। झारखंड की समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ावा और आदिवासीयों की प्रवासन बनाए रखने के लिए आपनी आत्मन सास तक लड़े रहे। उनके योगदान को कठीन गुलामा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रिविवार को गेंदांत हास्पिटल में डॉक्टरेट करना उत्तम का इलाज के रूप में निधन हो गया।

सैन्य महत्व के 928 आइटम के आयात पर लगाया गया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने आलनभर्त भारत पहल के तहत सैन्य महत्व के 928 सब-सिस्टम और पुणों के आयात पर प्रतिबंध लगाते हुए चौथी स्वदेशीकरण सूची (पीआईसी) को मंजूरी दी है। इन बस्तुओं का विवरण सुनन पोर्टल पर उपलब्ध है। जिन्हें सूची में निर्धारित की गई समय सीमा के बाद भारतीय-उद्योग से ही खरीदा जा सकता। इसमें हाई-ऐंड-



मटीरियल्स और अतिरिक्त उत्पाद सहित 715 करोड़ मूल्य के आयात वाले सामान शामिल हैं। इन सभी बस्तुओं का विवरण सुनन पोर्टल <https://rjandefence.gov.in/> पर उपलब्ध है। सभी बस्तुओं को सूची में निर्धारित की रखनाकरण सूची के बाद भारतीय-उद्योग से ही खरीदा जा सकता। इसमें हाई-ऐंड-

पहले तीन रचनात्मक स्वदेशीकरण सूचियां दिसंबर 2021, मार्च 2022 और अगस्त 2022 में जीवन की जा चुकी हैं। इन सूचीयों में 2500 आइटम हैं, जो पहले से ही स्वदेशीय हैं। तीनों सूचीयों में 1238 (351 107 780) आइटम हैं जो दी गई समय सीमा के भीतर स्वदेशी किए जाएंगे। अब तक देश में

1,238 में से 310 बस्तुओं का स्वदेशीकरण किया जा चुका है। इसमें पहली सूची के 262, दूसरी सूची के 11 और तीसरी स्वदेशीकरण सूची के 37 आइटम शामिल हैं। अब चौथी सूची में 928 आइटम शामिल किये गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रम इस स्वदेशीकरण को प्रतिष्ठित साथों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी भारतीय उद्योग बनाएंगे, इससे अर्थव्यवस्था में विकास करेंगे। रक्षा क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के आयात में कमी आएंगी। मरंजी ने कहा कि जांच तात्पार आगे बढ़ रही है। इसमें हैरान करने वाली जीवनरक्षणीय समाजों के साथ समें पूरा करेंगे। कुछ को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विकासित करेंगे और निजी